ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

10-06-2024

योग माना ही याद का अटेंशन, जैसे कर्म नहीं छोड़ सकते वैसे याद भी न छूटे, इसको कहा जाता है कर्मयोगी। कर्मयोगी अर्थात् हर कर्म द्वारा बाप से स्नेह और सम्बन्ध का हर आत्मा को साक्षात्कार हो। जैसे हद की आत्माओं से स्नेह रखने वाली आत्मा के चेहरे और चलन से दिखाई देता है कि यह कोई के स्नेह में लवलीन है। ऐसे हर कर्म बाप के साथ स्नेही आत्मा का अनुभव कराये तब कहेंगे कमयोगी।

Be a karma yogi.

Yoga means attention to remembrance. Just as you cannot stop performing actions, in the same way, do not let go of remembrance. This is known as being a karma yogi. A karma yogi means thatevery soul has a vision of the love and relationship you have with the Father in your every action. From limited (ordinary) souls, from their face and their behaviour, it can be seen that they are merged in someone's love. In the same way, let your every action give the experience of being loving to the Father, and then you will be said to be a karma yogi.